

श्री २३ मंगल २५/०३/१९  
२५/०३/१९

# भारतीय गैर न्यायिक

दस  
रुपये

₹ 10

भारत

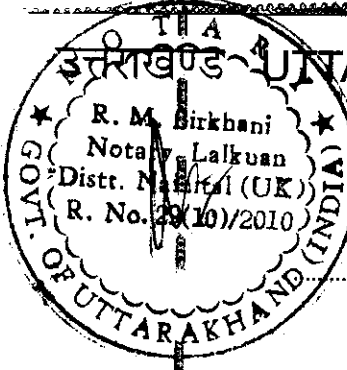
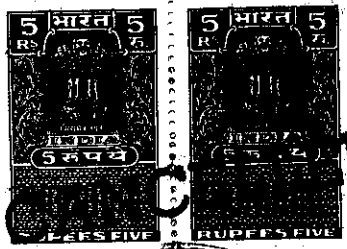
TEN  
RUPEES

Rs. 10

सत्यमेव जयते

INDIA

INDIA NON JUDICIAL



10AA 140510

प्रारूप 26

(नियम 4 क देखिए)

66 - रुद्रपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से  
(निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

उत्तराखण्ड विधानसभा (सदन का नाम) के

लिए निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाला शपथ पत्र

में, कृष्ण कुमार पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री भीम सिंह बोहरा

आयु 34 वर्ष, जो रा. ० एवं पो. ० - डोखतकांडा,

जिला - नैनीताल का /की निवासी हूँ और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूँ, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ/करती हूँ

/शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ/करती हूँ :-

1. मैं, ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का /की अभियुक्त नहीं हूँ जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं।

(यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का /की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगी)

(i) मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याएं

(ii) पुलिस थाना (थाने) जिला (जिले) राज्य

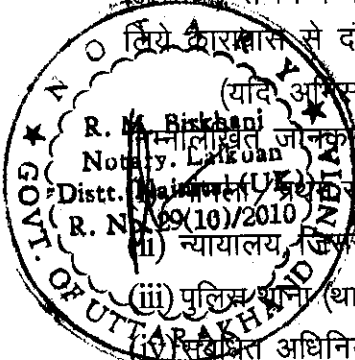
(iii) संबंधित अधिनियम (अधिनियमों की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण, जिसके (जिनके) लिए अभ्यर्थी आरोपित किया गया है

- (v) तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किया गया था / थे.....
- (vi) क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है / है.....

2. मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43 ) की धारा 8 की उपधारा ( 1 ) या उपधारा ( 2) में निर्दिष्ट या उपधारा ( 3) के अन्तर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है / नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिये कारावास से दंडादिष्ट किया गया है / नहीं किया गया है ।

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह



(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

(यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडानिष्ट किया गया है तो वह

स्थान : ~~महाराजपुरा~~ लालकुआ  
 तारीख : 11/01/2012

अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

**सत्यापन**

मैं, ऊपर नामित अभिसाक्षी, यह सत्यापित और घोषित करता/करती हूँ कि इस शपथपत्र की अंतर्वस्तु मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है और कोई तात्त्विक बात छिपायी नहीं गई है ।

लालकुआ स्थान पर आज तारीख 11/01/2012 को सत्यापित किया ।

अभिसाक्षी के हस्ताक्षर

certified that on/over K. Krishna Kumar  
 the Deponent Identified by Salt  
 Sworned & Verified the Content of  
 this Affidavit at Lalkuan  
 on Date 11/01/2012 at 14.00

(Rajeev Mohan Birkhani)  
 Notary LALKUAN  
 Distt. Mainpuri (U.P.)